मौत

के बाद गुनाहगारों के हालात

53

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

शुरू अल्लाह के नाम से जो बड़ा मेहरबान निहायत रहम वाला है। सब तारीफ़े अल्लाह तआला के लिये हैं जो सारे जहानों का पालनहार है। हम उसी की तारीफ करते हैं और उसी से मदद और माफी चाहते हैं। अल्लाह की लातादाद सलामती, रहमतें और बरकतें नाज़िल हों मुहम्मद सल्ल. पर, आप की आल व औलाद और असहाब रज़ि. पर। व बअद!

मौत के बाद यह होगा कि अल्लाह तआला शिर्क करने वालों को तो हरगिज़ माफ़ नही करेगा। लेकिन ऐसे तौहीद परस्त लोग जिन्होने अल्लाह के साथ बिल्कुल भी शिर्क नहीं किया होगा मगर उन्होंने गुनाह किये होंगे तो ऐसे लोग चाहे वो मर्द हो या औरतें अल्लाह की मरज़ी के तहत होंगे। अगर वह चाहेगा तो उन्हें सज़ा देगा और माफ़ करना चाहेगा तो उन्हें माफ़ कर देगा। जैसा कि उसने फ़रमाया "अल्लाह अपने साथ शिर्क किये जाने को नहीं बख़्शेगा हां इसके सिवा जिस गुनाह को चाहेगा माफ़ कर देगा।" (निसा–आयत–48, 116–माइदा–72, तौबा–113)

कुरआने करीम और सुन्नते रसूल सल्ल. से कई तरह के गुनाहों की सज़ा उनके करने वालों के लिए बयान हुई हैं। लेकिन ये सज़ाएं तौहीद परस्तों को जब तक अल्लाह चाहेगा जहन्नम में मिलेगी। वो हमेशा जहन्नम में नहीं रहेंगे बल्कि अपनी सज़ा काटकर जन्नत में दाखिल कर दिये जाएंगे।

आइये! उन गुनाहों के बारे में जानतें है जिनसे मौत आने से पहले तौबा न करने पर सज़ा का सामना करना पड़ सकता है

1.नमाज़ को जान–बूझकर छोड़ना या उसमें सुस्ती करना

अल्लाह के रसूल सल्ल. ने फरमाया "हमारे और उनके बीच नमाज का मुआहेदा है। जिसने नमाज़ को छोड़ दिया। यक़ीनन उसने कुफ़्र किया।" (तिर्मिज़ी–2620, नसाई–463–सही) और यह कि "आदमी के बीच और कुफ़्र व शिर्क के बीच फ़र्क नमाज़ को छोड़ना है।" (मुस्लिम–247, अबुदाऊद–4678)

"जिसने नमाज़ की हिफ़ाज़त की वह उसके लिए क़यामत के दिन रोशनी, दलील और निजात की वजह होगी और जिसने नमाज़ की हिफ़ाज़त न की तो वह उसकी न कभी रोशनी बनेगी, न दलील और न निजात। बल्कि रोज़े क़यामत ऐसा शख़्स फ़िरऔन, कारून, हामान और उबई बिन खल्फ़ के साथ होगा।" (इब्ने हुब्बान–1467, मुसनद अहमद–हसन)

2. ज़कात न देने वाले– इर्शादे बारी है "जो लोग सोने–चांदी का खज़ाना रखते है और अल्लाह की राह मे खर्च नहीं करते उन्हें दर्दनाक अज़ाब की खबर पहुंचा दीजिए। जिस दिन उस खज़ाने को दोज़ख की

आग में तपाया जाएगा। फिर उससे उनकी पैशानियां, पहलू और पीठें दागी जाएगी। (फिर उनसे कहा जाएगा) यह है जिसे तुमने अपने लिए खज़ाना बना कर रखा था। पस अपने खज़ानों का मज़ा चखो।'' (तौबा–आयत–34–35)

''वह माल जिसकी ज़कात अदा न की गई होगी। क़यामत के दिन वह माल जकात न देने वाले की आंखों पर दो काले नुक्तों वाले गंजे सांप की शक्ल में ढाल दिया जाएगा। फिर वह उस (शख़्स) की बांछे पकड़ेगा और कहेगा कि मै तेरा माल हूं, मै तेरा खजाना हूँ।'' (बुखारी–1403)

3. रोजा न रखने वाले–''ऐसे लोग उल्टे लटके होंगे और इनके चीरे हुए मुंह से खून बह रहा होगा।'' (इब्ने हुब्बान, इब्ने खुजैमा–सही)

4. इस्तेताअत के बावजूद हज न करने वाले– उमर रज़ि. का बयान है कि ''मैंने इरादा किया कि कुछ लोगों को शहरों में भेजूं जो तहक़ीक़ करें कि जिन लोगों को हज की ताक़त है और उन्होंने हज नही किया उन पर जज़या मुक़र्रर कर दूं। ऐसे लोग मुसलमान नहीं है, ऐसे लोग मुसलमान नहीं है।'' (सुनन–अल–सईद)

5. मोमिन को जान–बूझ कर क़त्ल करने वाला– ''जिसने किसी मोमिन को जान बूझ कर कत्ल किया। उसकी सज़ा जहन्नम है, जिसमें वह रहेगा। उस पर अल्लाह का अज़ाब और उसकी लअनत है।'' (निसा–आयत–93) ''अगर आसमान व ज़मीन में रहने वाली सारी मख़्लूक़ एक मोमिन के क़त्ल में शरीक हों तो अल्लाह उन सब को मुंह के बल जहन्नम में डाल देगा।'' (तिर्मिज़ी–1249–सही)

6. कुफ्फ़ार से जंग के दौरान फ़ौज छोड़कर भागने वाला– इर्शादे बारी है ''जिसने (कुफ्फ़ार के मुक़ाबले से) पीठ फेरी/सिवाए इसके कि जंगी चाल के तौर पर ऐसा करे या अपनी फौज से जा मिलने के लिए ऐसा करे उसने अल्लाह की नाराज़गी मोल ली। उसका ठिकाना जहन्नम होगा जो बहुत बुरा ठिकाना है।'' (अनफ़ाल–आयत–16)

7. यतीम का माल ना हक़ खाने वाले– ''जो लोग ज़ुल्म के साथ यतीम का माल खाते है। हकीक़त में वह अपना पेट आग से भरते हैं। वह जहन्नम की भड़कती आग में ज़रूर डाले जाएंगे।'' (निसा–आयत–10)

8. पाक दामन औरत पर तोहमत लगाने वाले– ''जो लोग पाक दामन और बेख़बर मोमिना औरतों पर तोहमत लगाते है। उन पर दुनिया व आखिरत में लअनत की गई और उनके लिए बड़ा अज़ाब है।'' (नूर–आयत–23)

9. बदकारी करने वाले–''यक़ीनन बदकार लोग जहन्नम में जांएगे और बदले के दिन उसमें दाखिल होंगे और वोह उस (जहन्नम) से हरगिज गायब नहीं हो सकेंगे।'' (इन्फ़ितार–आयात–14 से 16)

10. दिखावे या नामवरी के लिए नेक अमल करने वाले–(हदीस का मफ़हूम यह है कि) ''बहादुर कहलाने की गरज़ से अल्लाह की राह में जिहाद करते शहीद होने वाले, आलिम कहलाने के लिए दीनी इल्म सीखने–सिखाने वाले और सखी और दानवीर कहलाने के

लिए माल खर्च करने वाले लोग मुंह के बल घसीट कर जहन्नम में डाल दिये जाएंगे'' (मुस्लिम–4923, नसाई–3137)

11. नबी सल्ल. के नाम ग़लत बात मन्सूब करने वाले– जिस शख़्स ने मेरी तरफ़ ऐसी बात मन्सूब की जो मैंने नहीं कही तो वह अपनी जगह जहन्नम में बना ले।'' (बुखारी–107, मुस्लिम–7510)

12. घमण्ड करने वाले– ''इज़्ज़त अल्लाह तआला का इज़ार है और किबरियाई उसकी चादर है। जो शख़्स यह उससे छीनेगा उसे अल्लाह अज़ाब देगा।'' (मुस्लिम–6680)

13. सूद खाने वाले– ''ऐसे लोग खून की नदी में ग़ोते खाएंगे और उनके मुंह में पत्थर डाले जाएंगे (बुखारी–7047) साथ ही ''क़यामत के दिन यह इस हाल में उठाये जाएंगे जैसे शैतान ने इन पर काबू पाकर इन्हें दीवाना बना दिया है।'' (बक़रा–आयत–275)

14. ज़िना करने वाले– ''यह नंगे पन की हालत में दहकते तन्नूर में जलाए जाएंगे।'' (बुखारी–7047)

15. मय्यत पर नोहा व बैन करने वाले– नोहा (मय्यत पर चीख व पुकार के साथ रोना वग़ैरह) करने वाली औरत अगर मरने से पहले तौबा नहीं करेगी तो क़यामत के दिन उसे खड़ा करके गन्धक का पायजामा और खुजली का कुर्ता पहनाया जाएगा। (मुस्लिम–2160)

16.क़ुरआन याद करके भुला देने वाले और इशा की नमाज पढ़े बिना सोने वाले • ''ऐसे लोगों का सर बार–बार पत्थर से कुचला जाएगा'' (बुखारी–7047)

17. दूसरों को भलाई का हुक्म देने वाले लेकिन खुद अमल न करने वाले ''क़यामत के दिन एक आदमी लाया जाएगा और उसे आग में डाल दिया जाएगा। उसकी अन्तड़िया (पेट से बाहर) आग में होगी और वह अपनी अन्तड़ियों को लिये इस तरह घूम रहा होगा जैसे गधा चक्की के गिर्द घूमता है। अहले जहन्नम उसके क़रीब आ कर कहेंगे कि ऐ फुलां–तुम्हारा यह हाल कैसे हुआ? क्या तुम हमें नेकी करने और बुराई से दूर रहने की नसीहत नहीं किया करते थे? वह जवाब में कहेगा ''मै तुम्हें नेकी का हुक्म दिया करता था लेकिन खुद नेकी नहीं करता था। इसी तरह ''तुम्हें बुराई से रोकता लेकिन खुद नहीं रूकता था। '' (बुखारी–3267, मुस्लिम–7483)

18. खुदकुशी करने वाले– ''जो शख़्स अपना गला घोंट कर मरे वह जहन्नम में भी अपना गला घोटता रहेगा और जो शख़्स तीर (खन्जर, पिस्तौल या बन्दूक वग़ैरह) से अपने आप को मारे, वह जहन्नम में भी अपने आपको तीर (खन्जर, पिस्तौल या बन्दूक वग़ैरह) से मारता रहेगा।'' (बुखारी–1365)

19.शराब पीने वाले– अल्लाह तआला का अहद है कि ''जो शख़्स भी शराब (या कोई नशा आवर चीज़) पीयेगा। उसे जहन्नम में जहन्नमियों का पसीना पिलायेगा।'' (मुस्लिम–5217, नसाई–5725)

20. तस्वीर बनाने वाले– ''क़यामत के दिन तस्वीरे बनाने वालों को

अल्लाह की तरफ़ से सब से ज्यादा सख़्त अजाब होगा।'' (बुखारी–5950, मुस्लिम–2109)

21. नामवरी या फ़ख्र के लिए दीनी इल्म सीखने वाले– ''जो शख़्स दीन का इल्म हासिल करे, (1) उलैमा से फ़ख करने के लिए (2) बे इल्म लोगों से झगड़ा करने के लिए या (3) लोगों के चेहरे अपनी तरफ़ (झूटी शोहरत की खातिर) मुतवज्जह करने के लिए। तो अल्लाह ऐसे शख़्स को आग (जहन्नम) में दाखिल करेगा। (तिर्मिज़ी–2440–हसन)

22. बूढ़ा ज़ानी, झूटा बादशाह और मग़रूर फ़कीर– ''क़यामत के दिन तीन (तरह के) आदमियों से अल्लाह न बात करेगा और न उन्हें पाक करेगा बल्कि उनके लिए दर्दनाक अज़ाब होगा। 1 बुढ़ा ज़ानी 2 झुटा बादशाह और 3. मगरूर फ़कीर (मुस्लिम–296)

23. एहसान जतलाने वाले और झुटी क़सम खा कर माल बेचने वाले– ''तीन लोगों से क़यामत के दिन अल्लाह न तो बात करेगा, न उनकी तरफ़ नज़रे करम करेगा और न उन्हें पाक करेगा बल्कि उन्हें दर्दनाक अज़ाब देगा। 1. इज़ार (तहबन्द, शलवार वग़ैरह) (तकब्बुर की नीयत से) टखनो से नीचे लटकाने वाला 2. एहसान जतलाने वाला और 3. झुटी क़सम खा कर माल बेचने वाला।'' (मुस्लिम–293, अबुदाऊद–4087, इब्ने माजा–2208)

24. जानवर पर ज़ुल्म करने वाले– ''एक औरत को जहन्नम में अज़ाब दिया गया एक बिल्ली को क़ैद करने की वजह से यहां तक कि बिल्ली मर गई। उसने बिल्ली को क़ैद करके न खाना दिया न पानी और न ही उसे छोड़ा कि वह ज़मीन के कीड़े–मकोड़े खा सकती।'' (मुस्लिम–6675, बुखारी–745, मुसनद अहमद–27503)

25.दूसरों का हक़ मारने और ज़ुल्म करने वाले– ''ऐसे लोगों की नेकियां उन लोगों में बांट दी जाएंगी जिनके उन्होंने हक़ मारे होंगे या जिन पर ज़ुल्म किये होंगे। नेकियां खत्म हो जाने पर मज़लूमों के गुनाह इन पर लाद दिये जायेंगे और इन्हें जहन्नम में डाल दिया जाएगा। (मुस्लिम–6579)

26. हराम खाने वाले ख़ाइन और फ़हशगो– ''ये पांच क़िस्म के लोग (भी) जहन्नम में जांएगे (1) वो जाहिल लोग जिन्हे (हलाल व हराम में) कोई तमीज़ नहीं दूसरे के पीछे (आंख बन्द करके) चलने वाले जो अपने अहलो अयाल व माल तक से बे फ़िक्र हैं। 2. वह ख़यानत करने वाला जिसे मामूली चीज़ की ज़रूरत होती है तो वह खयानत करने लगता है 3. वह शख़्स जो किसी के अहल और माल में धोखा करता है 4. कन्जूस या झूटा और 5. जो फ़हशगो और गालियां बकने वाला है।'' (मुस्लिम–7207)

27. बद अख़लाक़ और झगड़ा करने वाले– बद अखलाक और झगड़ा करने वाला शख़्स जन्नत में नहीं जाएगा।'' (अबुदाऊद–4801–सही)

28. ग़ैर मुहतात (ख़ास कर दीन के मामले में) गुफ्तुगु करने वाले– ''(कभी) बन्दा कोई ऐसी बात ज़बान से कह देता है कि मग़रिब व मश्रिक के बीच फ़ासले से भी ज़्यादा नीचे आग में जा गिरता है।'' (मुस्लिम–7482)

29. क़सम खा कर दूसरे का माल हथियाने वाले- ''जिसने क़सम खा कर किसी मुस्लिम का हक़ मार लिया तो अल्लाह तआला उस पर जहन्नम वाजिब कर देते है। चाहे वह मामूली चीज़ ही क्यों न हो।'' (मुस्लिम-353, इब्ने माजा-2324)

30. पायजामा, शलवार, पेन्ट या तहबन्द टखनो से नीचे लटकाने वाले- ''तहबन्द का वह हिस्सा जो टखनों से नीचे होगा, जहन्नम में जाएगा।'' (बुखारी-5787)

31. अच्छी तरह वुज़ू न करने वाले- ''खुश्क ऐड़ियों के लिए आग से हलाकत है वुज़ू अच्छी तरह किया करो।'' (इब्ने माजा-450, मुसनद अहमद-25021, मुस्लिम, बुखारी-163)

32. हराम माल से परवरिश पाने वाले- '' जो जिस्म हराम माल से पला उसे आग सबसे पहले जलाएगी।'' (तबरानी-4395)

33. शोहरत व नामवरी का लिबास पहनने वाले- ''जिस शख़्स ने दुनिया में शोहरत व नामवरी के लिए कपड़े पहने। अल्लाह उसे क़यामत के दिन जिल्लत का लिबास पहनाएगा। फिर उसमें आग लगा देगा।'' (इब्ने माजा-3606)

34. क़त्ल के इरादे से एक-दूसरे पर हमला करने वाले- ''जब दो मुसलमान एक दूसरे पर अपनी तलवार से हमला करें तो क़ातिल और मक़तूल दोनों जहन्नम में जाते हैं।'' (इब्ने माजा-3963-सही)

35. सोने की अंगूठी पहनने वाले- ''तुममें से कोई शख़्स आग के अंगारे हाथ में लेना चाहता है तो वह सोने की अंगूठी पहन लेता है (मुस्लिम-5472)

36. सोने या चांदी के बर्तनों में खाने-पीने वाले- ''जिसने सोने या चांदी के बर्तन में (खाया) पीया। उसने अपने पेट में जहन्नम की आग उतारी।'' (मुस्लिम-5385-86)

37. जो यह चाहे कि मेरे आने पर लोग खड़े हो- ''जो शख़्स यह पसन्द करे कि उसके आने पर लोग अदबन उसके सामने खड़े हों तो वह अपनी जगह जहन्नम में बना लें।'' (तिर्मिज़ी-2536-सही)

38. ग़ीबत करने वाले- ''मेअराज की रात मेरा गुज़र ऐसे लोगों पर हुआ जिनके नाखुन सुर्ख़ तांबे के थे। जिनसे वह अपने चेहरों और अपने सीनों को नोच रह थे। जिब्राइल अलैहि. ने बताया-यह वो लोग हैं जो दूसरों का गोश्त खाते थे। (गीबत करते थे) और उनकी इज़्ज़तों से खेलते थे।'' (अबुदाऊद-4847 मुसनद अहमद-सही)

39. ज़बान व शर्मगाह की वजह से '' मुंह (ज़बान) और शर्मगाह लोगों के आग में जाने की सबसे बड़ी वजह बनेंगे।'' (तिर्मिज़ी-1820-हसन)

40. जानते-बूझते दीन का मसला छिपाने वाले- ''जिस शख़्स से दीन का मसअला पूछा गया और उसने छिपाया तो क़यामत के दिन उसे आग की लगाम पहनाई जाएगी। (तिर्मिज़ी-2435, अबुदाऊद-3658)

41. बोहतान लगाने वाले- ''जिसने किसी मोमिन (ईमान वाले) के बारे में कोई ऐसी बात कही जो उसमें न थी तो अल्लाह बोहतान लगाने वाले शख़्स को जहन्नमियों के खून और पीप मिले कीचड़ में ठहराएगा।''

(अबुदाऊद–3597, मुसनद अहमद–सही)

42. बन-संवर का बेपर्दा घर से निकलने वाली औरतें– ''ऐसी औरते जो कपड़े पहनने के बावजूद नंगी होंगी। माइल करने वाली और माइल होने वाली होगी। वह न जन्नत में दाखिल् होंगी और न उसकी खुश्बू पायेंगी।'' (मुस्लिम–5582)

43. शौहर की ना शुक्री करने वाले औरतें– '' ऐसी औरतें जहन्नम में जाएगी जो शोहर की ना शुक्री करती हैं और उसका एहसान नहीं मानती। बल्कि जब कभी उस की मर्ज़ी के खिलाफ़ कोई बात हो जाए तो कहने लगती हैं कि मैंने तो तुमसे कभी कोई भलाई देखी ही नहीं।'' (मुस्लिम–2109, बुखारी–29, अबुदाऊद–1189)

44. शराब के आदी और वाल्दैन की ना फ़रमानी करने वाले– ''तीन क़िस्म के लोग जन्नत में नहीं जाएंगे–1 वाल्दैन का ना फ़रमान 2. हमेशा शराब पीने वाला और 3. अपने दिये को बहुत जतलाने वाला।'' (नसाई)

45. चुगल खोर व पेशाब के छीटों से न बचने वाले– '' ऐसे लोगों को क़ब्र में अजाब् दिया जाता है। (बुखारी–218, अबुदाऊद–20, इब्नेमाजा–347)

यह फ़हरिस्त है उन आमाल की जो गुनाह है और तोबा न करने पर जिनकी वजह से तौहीद पर मरने वालों को भी अगर अल्लाह माफ़ न करे तो जब तक अल्लाह चाहेगा सज़ा भुगतनी पड़ सकती है।

यह सज़ा या अज़ाब मौत के बाद शुरू होगा तो क़यामत के क़ायम होने तक जारी रह सकता है और यह भी हो सकता है कि कुछ अरसे के बाद रोक दिया जाए। कभी किसी गुनाहगार को आग में दाखिल किया जाएगा तो पाक साफ़ होने तक उसमें ठहराकर फिर उससे निकाल लिया जाएगा जैसा कि आप सल्ल. ने फ़रमाया ''एहले तौहीद में से कुछ लोगों को आग में अज़ाब दिया जाएगा। हत्ता कि वह उसी में जलकर कोयला बन जाएंगे। फिर (अल्लाह की) रहमत उन को पा लेगी तो उनको निकाल कर जन्नत में डाल दिया जाएगा।'' (तिर्मिज़ी–2385, मुसनद अहमद)

इसलिए हर मुसलमान को चाहिये कि वह क़यामत के दिन अपनी निज़ात के लिए हर ऐसे अमल से तौबा करने में जल्दी करे जिससे अल्लाह नाराज़ होता है। तोबा जिन्दा रहते ही की जा सकती है और मौत का कुछ पता नहीं कि कब आ जाए।

अल्लाह तआला से दुआ है कि वह हमें अहले तौहीद की मौत नसीब करे। हमारे गुनाहों व ख़ताओं से दर गुज़र फ़रमाए और हमें उन खुश नसीब लोगों में शामिल फ़रमाए जो बिना सजा या अजाब पाए उसकी रहमत व मेहरबानी से जन्नत में दाखिल होंगे। आमीन।

आपका दीनी भाई
मुहम्मद सईद
मो. 9214836639
9887239640
25/12/12